an>

Title: Need to construct National Highways in Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्षा जी, जैसा कि आपके संज्ञान में है कि उत्तराखण्ड की आर्थिक व्यवस्था चारधाम यात्रा और उसके पर्यटन पर निर्भर होती है। वह चाहे कैलाश मानसरोवर की यात्रा हो, गंगोत्री-यमुनोत्री की यात्रा हो, बद्रीनाथ-केदारनाथ की यात्रा हो, हरिद्वार और ऋषिकेश की यात्रा हो, पर्यटन की दृष्टि से फूलों की घाटी हो और चाहे वह हरिद्वार हो, नैनीताल हो, मसूरी हो। महोदया, पिछले साल आई भयंकर त्रासदी के कारण सारी सड़कें न केवल ध्वस्त हैं बल्कि लोग पैदल जाने की स्थिति में भी नहीं हैं। जहां पहले एक दिन में 20-20 हज़ार लोग केदारनाथ जाते थे, अब 200-300 लोग भी नहीं जा पा रहे हैं जब कि यह सीमावर्ती क्षेत्र भी है। एन.एच. की सड़कों की बहुत ही खराब स्थिति है। आपके माध्यम से मेरा सरकार से विनम्र अनुरोध है कि यह सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण और देश और दुनिया के लिए आध्यात्म और पर्यटन की ऐसी स्थली होने के कारण उन एन.एच. के मार्गों को, चार धामों की यात्रा के मार्गों को अपने हाथ में लेकर युद्धस्तर पर बनाएं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन लोगों ने व्यवसायिक दृष्टि से बैंकों से लोन लिया था, उनके खेत-खलियान, मकान और दुकान सब बर्बाद हो गए हैं। उनको बैंकों से नोटिस मिल रहे हैं। वे जेलों में जाने की स्थिति में हैं। ऐसी स्थिति में उनके सामने मरने के सिवाय कोई दूसरा रास्ता नहीं है। मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि जिनका सब कुछ लुट गया, उनके पास कुछ भी नहीं है और उनको बैंकों से नोटिस आ रहे हैं। उनके लिए अलग से व्यवस्था की जानी चाहिए। उनके ऋणों को माफ किया जाना चाहिए। उनको आगे व्यवसाय चलाने के लिए रियायती दरों पर बैंकों से ऋण दिलाया जाए।